हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन और अचानक आई बाढ़ में 5 लोगों की मौत हो गई। कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं और जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया। अधिकारियों ने बताया कि, हिमाचल में सभी प्रमुख नदियां उफान पर हैं। स्थानीय मौसम विभाग कार्यालय ने 9 जुलाई को किन्नौर और लाहौल व स्पीति के आदिवासी जिलों को छोड़कर 12 जिलों में से 10 जिलों में अत्यधिक भारी बारिश के लिए 9-10 जुलाई को रैड अलर्ट जारी किया है। मौसम कार्यालय ने चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, शिमला, सिरमौर और मंडी जिलों में अचानक बाढ़ आने की भी चेतावनी दी है। राज्य आपदा अभियान केंद्र के अनुसार, राज्य में बीते 36 घंटों में भूस्खलन की 14 बड़ी घटनाएं और अचानक बाढ़ आने की 13 घटनाएं हुईं। इस दौरान 700 से अधिक सड़कें बंद हो गई हैं। मनाली में भारी बारिश से दुकानों के बहने और कुल्लू, किन्नौर तथा चंबा में अचानक नाले में आई बाढ़ में वाहनों के बह जाने और कृषि भूमि को नुकसान होने की भी खबरें सामने आई हैं। शिमला जिले के कोठगढ़ इलाके में भूस्खलन से एक घर ढह गया, जिसमें एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। कुल्लु शहर में भी भूस्खलन से एक कच्चा मकान क्षतिग्रस्त हो गया जिसमें एक महिला की मौत हो गई। एक अन्य हादसे में चंबा तहसील के कातियान में शनिवार रात भूस्खलन के मलबे में एक व्यक्ति दफन हो गया। इस बीच, प्रशासन ने 2 दिनों लिए स्कूलों और कॉलेजों को बंद करने का आदेश दिया है।

मु.मंत्री. स्टालिन ने राष्ट्रपति को पत्र लिखकर राज्यपाल को हटाने की कड़ी मांग की

राष्ट्रपति को कड़े शब्दों में लिखे गए 19 पन्नों के पत्र में स्टालिन ने कहा है कि, अपने एकतरफा कार्यों से, राज्यपाल ने साबित कर दिया है कि, वे पद संभालने के लिए अयोग्य हैं

चेन्नई, 9 जुलाई (वार्ता)। तमिलनाडु में कई मुद्दों पर सत्तारूढ़ द्रमुक और राजभवन के बीच बढ़ते मतभेदों के बीच राज्य के मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर राज्यपाल आर.एन.रवि के हालिया कार्यों का जिक्र किया तथा कहा कि वह शीर्ष पद से हटा दिये जाने के योग्य हैं।

- **स्टालिन ने पत्र में राज्यपाल आर.एन. रवि की कई कार्रवाइयों को याद दिलाया, जिसमें राज्य विधानसभा में पारित लंबित विधेयकों को मंजूरी नहीं देना और मनी लॉण्डरिंग के मामले में ई.डी. द्वारा गिरफ्तार तथा ''बिना विभाग के मंत्री'' वी. सेंथिलबालाजी से जुड़ी नवीनतम घटनाएं शामिल हैं।**

राष्ट्रपति को कड़े शब्दों में लिखे गए 19 पन्नों के पत्र में स्टालिन ने राज्यपाल की कई कार्रवाइयों को याद दिलाया, जिसमें राज्य विधान सभा में पारित लंबित विधेयकों को मंजूरी नहीं देना और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तार तथा 'बिना विभाग के मंत्री' वी. सेंथिलबालाजी से जुड़ी नवीनतम घटनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अपने एकतरफा कार्यों से, राज्यपाल ने साबित कर दिया है कि वह पद संभालने के लिए पर्याप्त योग्य नहीं है।

राज्यपाल ने मंत्री की गिरफ्तारी के बाद राज्य मंत्रिमंडल में उनके बने रहने पर नाराजगी व्यक्त की और बाद में उन्हें प्रदत्त शक्तियों के तहत मंत्रिपरिषद से बर्खास्त कर दिया। बाद में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सलाह पर इसे स्थगित रखा गया।

स्टालिन ने पत्र में कहा, अपने कृत्यों और कार्यप्रणाली से, राज्यपाल ने साबित कर दिया है कि वह पक्षपाती है और पद संभालने के लिए पर्याप्त योग्य नहीं है। वह शीर्ष पद से हटाए जाने के लिए पर्याप्त रूप से योग्य है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान के 156 (1) के अनुसार, राज्यपाल राष्ट्रपति की इच्छानुसार अवधि तक पद पर रह सकते हैं।

कुछ प्रमुख मुद्दों को सूचीबद्ध करते हुए, जिसमें उन्होंने राज्यपाल के लिए अशोभनीय होने का आरोप लगाया, स्टालिन ने आरोप लगाया कि राज्यपाल के कार्यों से साबित होता है कि वह पक्षपाती है और संवैधानिक पद पर बने रहने के लिए उपयुक्त नहीं है।

राष्ट्रपति को स्टालिन का पत्र ऐसे समय आया है जब राज्यपाल दिल्ली में हैं और उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री से एक दिन पहले मुलाकात की है।

स्टालिन द्वारा रवि के विरुद्ध कई आरोप लगाये गये जिनमें राज्य विधानसभा द्वारा अपनाए गए विधेयकों को मंजूरी देने में अनावश्यक देरी, आरोपी व्यक्तियों पर मुकदमा चलाने के लिए मंजूरी देने में देरी, निर्वाचित राज्य सरकार द्वारा उठाए गए रुख के खिलाफ राजनीतिक और वैचारिक रुख अपनाना और आरोपी व्यक्तियों का समर्थन करना तथा पुलिस जांच में हस्तक्षेप करने के आरोप शामिल हैं।

पाकिस्तान में गैस सिलैंडर विस्फोट, 5 की मौत

इस्लामाबाद, 9 जुलाई (वार्ता/शिन्हुआ)। पाकिस्तान के पूर्वी पंजाब प्रांत के झेलम जिले में एक होटल में रविवार को शक्तिशाली एल.पी.जी. सिलेंडर विस्फोट में पांच लोगों की मौत हो गयी तथा करीब 25 अन्य घायल हो गए।

बचाव सेवा ने यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार यह घटना सुबह

- **पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के झेलम जिले में एक होटल में एल.पी.जी. सिलैंडर में शक्तिशाली विस्फोट में पांच लोगों की मौत हो गयी तथा करीब 25 अन्य घायल हो गए।**

जी.टी. रोड पर स्थित होटल असघर में हुई। घटना में दो मंजिला इमारत ढह गई। बचाव सेवा ने कहा कि मलबे में काफी लोग दबे हुए हैं। स्थानीय मीडिया ने रिपोर्ट दी कि घटना की सूचना मिले पर बचाव कर्मी , पुलिस और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियां घटनास्थल पर पहुंची और बचाव अभियान शुरु किया।

आर.एस.एस. ने दिग्विजय सिंह के खिलाफ एफ.आई.आर दर्ज कराई

- **एफ.आई.आर में दिग्विजय सिंह पर आरोप है कि, उन्होंने आर.एस.एस. के दिग्गज नेता माधव सदाशिव गोलवलकर के खिलाफ तथ्यहीन आरोप लगाकर उन्हें साम्प्रदायिक बताने की कोशिश की है।**
- **दिग्विजय सिंह ने सोशल मीडिया पर एक अखबार की कतरन शेयर की है जिसमें आर.एस.एस.के गुरु कहे जाने वाले सदाशिव गोलवलकर को उद्धृत करते हुए छापा गया है -''मैं सारी जिन्दगी अंग्रेज़ों की गुलामी करने के लिए तैयार हूँ, लेकिन जो दलितों, पिछड़ों और मुसलमानों को बराबरी का अधिकार देती हो, ऐसी आजादी मुझे नहीं चाहिए।''**

नई दिल्ली, 9 जुलाई (वार्ता)। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के अधिवक्ता राजेश जोशी ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर गुरुजी को लेकर सोशल मीडिया पर एक फर्जी बयान साझा किये जाने को लेकर पुलिस रिपोर्ट दर्ज करायी है।

इंदौर के सुदामा नगर निवासी राजेश जोशी ने शनिवार रात करीब साढ़े 11 बजे तुकोगंज थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 153 ए, 469, 500 और 505 के तहत प्राथमिकी दर्ज करायी।

जोशी ने पुलिस रिपोर्ट में कहा है कि विश्व के सबसे बड़े निस्वार्थ समाजसेवी संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विरुद्ध विद्वेषपूर्ण तरीके से दलितों, पिछड़ों, मुसलमानों और हिन्दुओं में शत्रुता, घृणा एवं वैमनस्यता पैदा कर आपस में उकसाने एवं वर्ग संघर्ष के उद्देश्य से जानबूझकर किए गए पोस्ट से उनकी, आर.एस.एस. के स्वयंसेवकों और हिन्दू समाज की धार्मिक आस्था आहत हुई है।

कल अपराह्न करीब चार बजे मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री सिंह ने ट्विटर पर एक कथित अखबारी कतरन को साझा करते हुए लिखा, " गुरु गोलवलकर जी के दलितों पिछड़ों और मुसलमानों के लिए व राष्ट्रीय जल जंगल व ज़मीन पर अधिकार पर क्या विचार थे अवश्य जानिए।" कथित अखबारी कतरन में गुरु गोलवलकर को उद्धृत करते हुए छापा गया है - "मैं सारी जिन्दगी अंग्रेज़ों की गुलामी करने के लिए तैयार हूँ लेकिन जो दलितों, पिछड़ों और मुसलमानों को बराबरी का अधिकार देती हो, ऐसी आजादी मुझे नहीं चाहिए।" इस पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने गहरी आपत्ति व्यक्त करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता झूठ के सहारे सामाजिक विद्वेष फैलाने की कोशिश कर रहे हैं। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने सिंह के ट्वीट का जवाब देते हुए ट्विटर पर उन्हें संबोधित करते हुए लिखा, "गोलवलकर गुरुजी के संदर्भ में यह ट्वीट तथ्यहीन है।

'फासीवादी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बयान में कहा कि गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार के सबसे मजबूत और मुखर विरोधी हैं। भारत जोड़ो यात्रा की अपार सफलता के बाद गांधी ने लोकसभा में ऐतिहासिक भाषण दिया और मोदी व अडानी समूह के बीच अपवित्र संबंधों का खुलासा किया। परिणामस्वरूप, भाजपा ने उन्हें संसद से अयोग्य घोषित करने के लिए अपनी गंदी चालें चलीं।

उन्होंने कहा, गांधी निडर होकर सत्तारूढ़ शासन का मुकाबला करने और देश के गरीबों, किसानों, मजदूरों, युवाओं और हाशिए पर रहने वाले लोगों की समस्याओं को सुनने के लिए कृतसंकल्प हैं। संसद के बाहर भी वह लोगों की आवाज़ हैं। वह ऐसे नेता हैं जिन पर लोग भरोसा करते हैं। यही कारण है कि गांधी को प्रतिशोध से संसद की सदस्यता से अयोग्य घोषित करने पर आक्रोशित है।

वेणुगोपाल ने कहा, हम 140 करोड़ भारतीयों से अपील करते हैं कि वे किसी भेदभाव के बिना न्याय और स्वतंत्रता की लड़ने वाली ताकतों के साथ खड़े होकर लोकतंत्र में गिरावट के खिलाफ खड़े हों। उनका कहना था कि विरोध स्वरूप कांग्रेस कार्यकर्ता बुधवार 12 जुलाई को सुबह 10 से शाम 5 बजे तक प्रत्येक राज्य की राजधानी में गांधी प्रतिमा के पास मौन सत्याग्रह का आयोजन करेंगे।

उन्होंने कहा, भाजपा-आर.एस.एस. गांधी के खिलाफ जैसी भी साजिश करे लेकिन कांग्रेस पार्टी सच बोलना जारी रखेगी और देश लोगों के कल्याण तथा लोकतंत्र की रक्षा के लिए लड़ती रहेगी। भारत की जनता ऐसी फासीवादी ताकतों को ज्यादा दिन तक टिकने नहीं देगी।

कैनेडा में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारतीय दूतावासों व राजनयिकों को नुकसान पहुंचाने की धमकी है।

इसके बाद से अब कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया जैसे देश भी पीछे हटना शुरू हो गए हैं। सभी देशों के विदेश मंत्रालय स्पष्ट कह चुके हैं कि वे अपनी धरती पर आतंकवादी गतिविधियों को अनुमति नहीं देंगे।

मणिपुर में सुरक्षा बलों के सामने नई चुनौती, विरोधी गुट अब ड्रोन से कर रहे हमले

- **अधिकारियों ने बताया कि, मणिपुर के फौगाकचाओ, कांगवी बाजार और तोरबंग बाजार में इन ड्रोन (क्वॉडकॉप्टर) का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल हो रहा है। यहां विरोधी दोनों समुदायों (कुकी और मैतेई) के गांव आस-पास बसे हुए हैं।**

इम्फाल, 9 जुलाई। हिंसा प्रभावित मणिपुर राज्य में तकनीक वरदान और अभिशाप दोनों साबित हो रही है। एक ओर सेना और असम राइफल्स राहत व बचाव कार्य के लिए ड्रोन का इस्तेमाल कर रही हैं, तो दूसरी ओर जातीय समूह एक-दूसरे को निशाना बनाने के लिए क्वाडकॉप्टर (ड्रोन) का इस्तेमाल कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि, सुरक्षा एजेंसियों के संज्ञान में आया है कि परस्पर विरोधी गुट क्वॉडकॉप्टर का इस्तेमाल एक-दूसरे की स्थिति का पता लगाने के लिए कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि, मेइती समुदाय के लोग अधिकतर इस क्वॉडकॉप्टर का इस्तेमाल इंफाल घाटी में कर रहे हैं जबकि कुकी समुदाय के लोग इनका इस्तेमाल पहाड़ी इलाकों में कर रहे हैं।

अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण पश्चिमी मणिपुर के फौगाकचाओ, कांगवी बाजार और तोरबंग बाजार में इन क्वॉडकॉप्टर का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल हो रहा है। यहां दोनों समुदायों के गांव आस-पास बसे हुए हैं। सुरक्षाबलों ने दोनों समुदायों को एक-दूसरे से लड़ने से रोकने के लिए बफर जोन बनाया है। उन्होंने बताया कि, सुरक्षाबलों की मौजूदगी के बावजूद सेनापति जिले का लोइबोल और विष्णुपुर जिले का लियेमारम हिंसा का केंद्र बना हुआ है। अधिकारियों ने कहा कि दोनों समुदायों के बीच अविश्वास इतना गहरा हो गया है कि वे एक-दूसरे पर नजर रखने के लिए तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि, ये क्वॉडकॉप्टर बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं। दिन हो या रात लगातार समूहों की ओर से एक-दूसरे के क्वॉडकॉप्टर को गिराने के लिए गोलीबारी की जा रही है। इस स्थिति ने निश्चित तौर पर सुरक्षा बलों की चुनौतियां बढ़ा दी है। राज्य में शांति बहाल करने की कोशिशों को इसे बड़ा झटका माना जा रहा है। क्वाडकॉप्टर, जिसे अकसर क्वाडरोटर कहा जाता है, एक बिना चालक वाला घूमने वाले पंखों से युक्त विमान है जो 4 रोटर्स का उपयोग करके उड़ान भर सकता है। इनमें से प्रत्येक में एक मोटर और प्रोपेलर होते हैं। पारंपरिक विमानों या हेलीकॉप्टरों के विपरीत, जो उड़ान भरने के लिए इंजन या टेल रोटर्स पर निर्भर होते हैं।

चिराग पासवान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि चिराग पासवान मोदी कैबिनेट में जगह के अलावा छह लोकसभा सीट और एक राज्यसभा सीट की शर्त भाजपा के सामने रखेंगे।

हालांकि, पटना में जब चिराग से चाचा पशुपति के साथ एक गठबंधन में शामिल होने पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि उनके (पशुपति कुमार पारस) के होने या नहीं होने से उन्हें फर्क नहीं पड़ता। चाचा पर निशाना साधते हुए चिराग ने कहा कि गठबंधन में एक नेता की अहमियत इस बात पर निर्भर करती है कि उसे कितना जनाधार प्राप्त है।

इधर, पशुपति पारस की रालोजपा पहले से एन.डी.ए. के साथ है। चिराग पासवान के एन.डी.ए. में शामिल होने पर रालोजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता श्रवण कुमार अग्रवाल ने कहा कि पशुपति पारस के साथ पासवान व दलितों की निर्णायक ताकत है।

श्रवण ने कहा कि रालोजपा देशहित में बिना किसी शर्त पूरी मजबूती और ईमानदारी के साथ एन.डी.ए. के साथ है और लोकसभा चुनाव में बिहार की सभी 40 सीट पर एन.डी.ए. जीत सुनिश्चित करेगी।

पंजाब के पूर्व उप मु.मंत्री गिरफ्तार

- **पंजाब विजिलैंस ब्यूरो ने पूर्व उप-मुख्यमंत्री ओ.पी. सोनी को साल 2016 से 2022 की अवधि के दौरान आय के स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।**
- **ओ.पी. सोनी कांग्रेस के सीनियर लीडर हैं और अमृतसर से पांच बार चुनाव जीत चुके हैं। वे कांग्रेस की चन्नी सरकार में डिप्टी सी.एम. रह चुके हैं और कैप्टन अमरिंदर सिंह सरकार में कैबिनेट मंत्री थे।**

चंडीगढ़, 9 जुलाई। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने पूर्व उपमुख्यमंत्री ओ.पी. सोनी को साल 2016 से 2022 की अवधि के दौरान आय के स्त्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। ओपी सोनी कांग्रेस के सीनियर लीडर हैं और अमृतसर से पांच बार चुनाव जीत चुके हैं। वह कांग्रेस की चन्नी सरकार में डिप्टी सीएम रह चुके हैं और कैप्टन सरकार में कैबिनेट मंत्री थे।

विजिलेंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने बताया कि, 10 अक्टूबर 2022 को जारी जांच आदेश के बाद की गई जांच के बाद ओ.पी. सोनी के खिलाफ पुलिस स्टेशन विजिलेंस ब्यूरो, अमृतसर रेंज में भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम की धारा 13 (1) (बी) और 13 (2) के तहत एफआईआर संख्या 20 दिनांक 9/7/2023 दर्ज की गई है। 1 अप्रैल 2016 से 31 मार्च 2022 तक जांच अवधि के दौरान पूर्व उपमुख्यमंत्री और उनके परिवार की आय 4,52,18,771 रुपये थी जबकि व्यय 12,48,42,692 रुपए था, जो कि उनकी आय संसाधनों से 7,96,23,921 या 176.08 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान आरोपी ओ.पी. सोनी ने अपनी पत्नी सुमन सोनी और बेटे राघव सोनी के नाम पर संपत्ति बनाई। मामले की जांच जारी है।

विजिलेंस ब्यूरो पिछले लंबे समय से पूर्व उपमुख्यमंत्री ओम पकाश सोनी की संपत्ति की जांच कर रही थी। उनके होटल व अन्य जगह पर चल रहे निर्माण की भी पैमाइश की गई थी। इन सभी की जांच पूरी हो जाने के बाद विजिलेंस ब्यूरो ने रविवार को मामला दर्ज कर लिया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

'भारत जल्द ही ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

छह पहियों वाला रोवर बाहर आएगा और चंद्रमा पर 14 दिनों तक कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि रोवर पर कई कैमरों के सहयोग से तस्वीरें हासिल की जा सकेगी।

दिल्ली में बारिश...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एडवाइजरी जारी करते हुए कहा कि सभी सरकारी और निजी स्कूल (खेल स्कूल आदि सहित) को बंद रहने के निर्देश दिया है।

गुरुग्राम जिला प्रशासन ने एक और एडवाइजरी जारी करते हुए कहा कि जिले के सभी कॉर्पोरेट कार्यालयों और निजी संस्थानों को सलाह दी जाती है कि वे अपने कर्मचारियों को कल यानी 10 जुलाई को घर से काम करने के लिए कहें, ताकि यातायात की भीड़ से बचा जा सके। साथ ही एजेंसियां नागरिक सुविधाओं की मरम्मत/बहाली सरकार द्वारा सुचारू रूप से की जा सकती है।

मौसम विभाग की बारिश को लेकर चेतावनी देखते हुए गाजियाबाद के जिला अधिकारी ने जिले के सभी स्कूलों को बंद रहने का निर्देश दिया है। सरकारी, निजी और खेल स्कूल 15 जुलाई तक बंद रहेंगे।

क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (नई दिल्ली) के प्रमुख डॉ. चरण सिंह ने बताया कि बारिश की तीव्रता जो कल थी, वही आज पहाड़ों में होगी।

बंगाल में पंचायत चुनाव की तारीख की...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बोस ने पूछा, लोकतंत्र के रक्षकों की रक्षा कौन करेगा। चुनाव आयोग कहीं नजर नहीं आता, फिर भी (चुनाव) आयुक्त चुप्पी साधे हुए हैं।

राज्यपाल ने कहा कि उन्हें बताया गया कि राज्य के विभिन्न हिस्सों से हत्याओं और हिंसा की खबरें आ रही हैं। उन्होंने पूछा, आम लोगों की रक्षा कौन करेगा? चुनाव आयोग चुप क्यों है? मैंने उनसे जवाब देने को कहा है कि लोगों और लोकतंत्र की रक्षा करने वाला कौन है।

इस बीच बंगाल में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने राज्य में लोकतंत्र की रक्षा के लिए अनुच्छेद 356 या 355 लगाने की मांग करते हुए कहा,केवल मतपेटियां ही नहीं, लोकतंत्र भी गटर में चला गया है। वहीं प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा,पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र मर चुका है।

नंदीग्राम से भाजपा के विधायक अधिकारी ने ट्वीट किया, पश्चिम बंगाल पंचायत चुनाव - लोकतंत्र का कार्निवल। ममता बनर्जी के गुर्गे और सुपारी हत्यारे और राज्य चुनाव आयुक्त राजीव सिन्हा राज्य भर में उनकी योजनाओं को क्रियान्वित कर रहे हैं। यह उनका लोकतंत्र मॉडल है। उन्होंने लोगों और अपने समर्थकों से 'कालीघाट चलो' का भी आव्हान किया।

उन्होंने कहा,अगर गोलीबारी हुई तो मैं मार्च का नेतृत्व करूंगा। मैं बंगाल में लोकतंत्र की बहाली के लिए हर स्थिति का सामना करने के लिए तैयार हूं।

अधिकारी ने जोर देकर कहा,मैंने लोकतंत्र को बचाने के लिए उनकी पार्टी (तृणमूल कांग्रेस-टी.एम.सी.) और दोस्ती छोड़ दी। लोकतंत्र की बहाली के लिए राज्य में धारा 356 या 355 लागू की जानी चाहिए। मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि दिल्ली क्या कहती है, लेकिन मैं उन अनुच्छेदों को लागू करने और 'कालीघाट चलो' का नेतृत्व करने का आव्हान करता हूं। अगर गोलीबारी में 10-20 लोग भी मारे जाएं तो भी मुझे कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन मैं बंगाल में लोकतंत्र बहाल करना चाहता हूं।

मजूमदार ने कहा कि बंगाल ही एक ऐसी जगह है जहां हम वोटिंग वाले दिन वोट प्रतिशत के बजाय मारे गए लोगों की संख्या गिन रहे हैं। आज बंगाल में कोई भी जगह हिंसा और धांधली के बिना नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि टी.एम.सी. की गुंडागर्दी सभी सीमाएं पार कर गई है और अब पश्चिम बंगाल पंचायत चुनावों में खुलेआम मतपत्र लूटकर लोकतंत्र का गला घोंट रही है। उन्होंने कहा, दीदी (ममता बनर्जी) और उनके गुंडों की मतदान का मजाक उड़ाने की शैली कभी निराश नहीं करती है। कूचबिहार जिले में मतपेटियों में आग लगा दी गई। मतदान अधिकारी भाग गए हैं।

उन्होंने सवालिया लहजे में पूछा,एस.ई.सी. (राज्य चुनाव आयोग) कहां है? कोर्ट के आदेश के बावजूद एस.ई.सी. पूरी तरह विफल रहा है।

भाजपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया,मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को शर्म आनी चाहिए। राज्य में लोकतंत्र गायब हो गया है और यह भारत के चुनावी इतिहास का एक काला अध्याय है। एस.ई.सी. अदालत के आदेशों के बावजूद केंद्रीय बलों को तैनात करने में विफल रही है। उन्होंने कहा,यह स्वतंत्र चुनाव और लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पूरी तरह से मजाक है। यहां तक कि अदालतों के निर्देशों का भी पालन नहीं किया जा रहा है।

यह आरोप लगाते हुए कि एक ओर, एस.ई.सी. केंद्रीय बलों को तैनात करने में अनिच्छुक रहा उन्होंने कहा, दूसरी ओर, नागरिक स्वयंसेवकों को चुनाव ड्यूटी के लिए तैनात किया जाता है। इससे स्पष्ट रूप से पता चलता है कि राज्य सरकार और एस.ई.सी. ने अदालतों को धोखा दिया है।

मजूमदार ने कहा कि टी.एम.सी. केवल 'हिंसा, हत्या और बूथ कैप्चरिंग की भाषा' जानती है। उन्होंने चुनाव के दौरान मारे गये लोगों के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और एस.ई.सी. को जिम्मेदार ठहराया।

इस बीच तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया कि यह सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रहे केंद्रीय बलों की विफलता है। पार्टी प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि पीड़ितों में से अधिकांश उनके समर्थक थे। उन्होंने राज्यपाल को 'भाजपा एजेंट' बताया और आरोप लगाया कि बोस आज भी सड़कों पर प्रचार कर रहे हैं।

घोष ने कहा, बोस को 11 जुलाई के बाद बैग और सामान के साथ तैयार रहना चाहिए, जिस दिन चुनाव परिणाम घोषित किए जाएंगे। पार्टी ने आरोप लगाया, जो लोग लोकतंत्र के सिद्धांतों की वकालत करते थे, वे ही इसके पतन के लिए जिम्मेदार हैं।

तीर्थयात्रियों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

व्यक्तियों को बाहर निकाला है। उन्होंने बताया कि वाहन में चालक सहित कुल ग्यारह यात्री सवार थे।

भुल्लर ने बताया कि बिजेंदर पुत्र जगदीश पांडे (46), निवासी बदरपुर, दिल्ली, आकाश (22) पुत्र तेज सिंह, प्रदीप कुमार (27)पुत्र महेंद्र सिंह, निवासी शाहपुर, पंजाब, रोशन कुमार (25) पुत्र सुबोध, निवासी नालंदा, बिहार, और हरियाणवी पत्नी रवि सिंह (25), निवासी हैदराबाद को सकुशल निकाल लिया गया है।

सभी को एंबुलेंस के माध्यम से तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया है। पुलिस अधीक्षक के अनुसार, चालक सहित अन्य छह लोगो की तलाश जारी है।

जिनका नाम, पता रेस्क्यू किए गए यात्रियों द्वारा अभिजीत त्यागी, निवासी भोजपुर, भजन गढ़, दिल्ली, अतुल सिंह पुत्र विनोद, निवासी शिवपुरी, बिहार, अक्षय कुमार पुत्र मनोज सिंह, निवासी बिहार, सौरभ कुमार, रवि पुत्र अज्ञात हैदराबाद और मैक्स वाहन चालक नाम, पता अज्ञात अभी लापता हैं। इनकी तलाश लगातार जारी है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908